प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

7 जुलाई 2026

एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण का क्षेत्रवार अभिनियोजन – मई 2026

वर्ष 2026 के मई माह के लिए प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) से जुटाए गए एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्रवार अभिनियोजन संबंधी आंकड़े विवरण[1] में दिए गए हैं।

वर्ष-दर-वर्ष (व-द-व) आधार पर, एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण में मई 2026 में 14.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 11.4 प्रतिशत थी।

31 मई 2026 को समाप्त माह की स्थिति के लिए एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्रवार अभिनियोजन की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं:

- कृषि और संबद्ध कार्यकलापों हेतु प्रदत्त ऋण में 17.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 5.0 प्रतिशत थी।

- उद्योग क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में मई 2026 में 7.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की बढ़ोतरी हुई, जो मई 2025 में 10.0 प्रतिशत थी। उद्योग क्षेत्र की वृद्धि में आई कमी का मुख्य कारण 'आधारभूत संरचना' क्षेत्र में आई धीमी वृद्धि थी, जो इस क्षेत्र का एक प्रमुख घटक है।

- सेवा क्षेत्र को प्रदत्त ऋण की वृद्धि मई 2026 में कम होकर 16.7 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) रह गई, जो एक वर्ष पहले 23.9 प्रतिशत थी। प्रमुख सेवाओं में, 'वाणिज्यिक स्थावर संपदा' क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में अधिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) देखी गई।

- एनबीएफसी की कुल ऋण वृद्धि में खुदरा ऋणों का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिसमें मई 2026 में 19.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई, जबकि एक वर्ष पहले यह 14.9 प्रतिशत थी। खुदरा ऋणों में, 'आवास ऋण', 'वाहन ऋण' और 'स्वर्ण आभूषण के बदले ऋण' में मई 2026 में मजबूत वृद्धि देखी गई।

अजीत प्रसाद
उप महाप्रबंधक (संचार)

प्रेस प्रकाशनी: 2026-2027/621

[1] ये अनंतिम आंकड़े हैं, जो माह के अंतिम दिन को रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के अनुसार हैं। एनबीएफसी के क्षेत्रवार ऋण संबंधी आंकड़े (i) अपर एवं मिडिल लेयर की एनबीएफसी और (ii) 'भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25' (आरटीपी 2024-25, सितंबर 2025 को यथास्थिति बकाया) में प्रकाशित डेटा के संबंध में कुल ऋण का लगभग 87 प्रतिशत सैम्पल पर आधारित हैं।